
BACCHO KI KAHANI

बदसूरत बत्तख का बच्चा | Baccho Ki Kahaniya | Baccho Ke Liye Kahani

Baccho Ki Kahani: एक बार की बात है, एक छोटे से तालाब में एक बत्तख का परिवार रहता था। बत्तख के बच्चों में से एक बच्चा दूसरों से बिल्कुल अलग था। वह बड़ा ही बदसूरत और अजीब था, और बाकी बत्तख उसे देखकर अक्सर ताना मारते थे। उसे छोड़ा जाता था और उसकी शक्ल के कारण वह हमेशा ही उदास रहता था।

हर दिन बत्तख का बच्चा अकेले खेलता और तालाब के किनारे पर बैठा रहता। उसकी माँ उसे हमेशा समझाती, “बेटा, तुम अलग हो, लेकिन यह तुम्हारी खूबसूरती को नहीं घटाता। तुम्हें खुद पर विश्वास रखना चाहिए।”

समय बीतता गया और बत्तख का बच्चा बड़ा हुआ। एक दिन, तालाब के पास एक सुंदर हंस का झुंड आया। हंसों ने बत्तख के बच्चे को देखा और उसे अपने पास बुलाया। बत्तख का बच्चा हैरान था, लेकिन हंसों ने उसे खुशी से स्वीकार कर लिया।

“तुम्हारा रूप हमें बहुत खास लगता है,” हंसों ने कहा। “तुम्हें हमारी तरह दिखने की ज़रूरत नहीं है। तुम्हारे अंदर की खूबसूरती और तुम्हारा आत्मविश्वास सबसे महत्वपूर्ण है।”

हंसों ने बत्तख के बच्चे को उनके साथ उड़ने और खेलने का निमंत्रण दिया। बत्तख का बच्चा अब अपने आप को पहले से कहीं ज्यादा खुश महसूस करने लगा। उसे एहसास हुआ कि उसका असली रूप उसकी आंतरिक सुंदरता से ही परिभाषित होता है।

कुछ समय बाद, बत्तख का बच्चा हंसों के झुंड में पूरी तरह से समाहित हो गया और एक सुंदर हंस की तरह दिखने लगा। वह अब जानता था कि बाहरी रूप से भले ही कुछ भी हो, आत्म-संवर्धन और आत्म-संस्कार ही असली खूबसूरती है।

इस प्रकार, बत्तख का बच्चा समझ गया कि खुद पर विश्वास और अपनी अनूठी खासियत को अपनाना ही सच्चा सौंदर्य है। उसने सीखा कि बाहरी दिखावट महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि हमारी आंतरिक विशेषताएँ और आत्मविश्वास ही हमें खास बनाते हैं।

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि आत्म-संवर्धन और आत्मविश्वास हमें सच्ची सुंदरता की ओर ले जाते हैं, और बाहरी दिखावट से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

Baccho Ki Kahaniya पढ़ने के लिए हमारे ब्लॉग पर बनें रहिये | दुसरे पेरेंट्स को भी शेयर करें